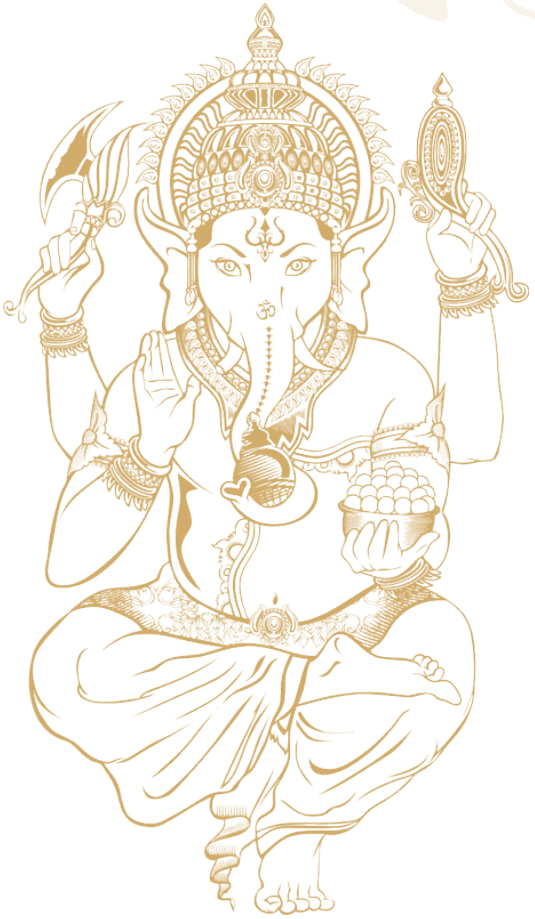

Nirmal

26 Apr 1997

10:15 AM

Dhar

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/04/1997**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**10:15:00 घंटे**
इष्ट	10:37:38 घटी
स्थान	**Dhar**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	22:32:00 उत्तर
रेखांश	75:24:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:28:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:46:36 घंटे
वेलान्तर	00:02:11 घंटे
साम्पातिक काल	00:03:31 घंटे
सूर्योदय	05:59:56 घंटे
सूर्यास्त	18:52:53 घंटे
दिनमान	12:52:56 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	12:10:39 मेष
लग्न के अंश	16:20:06 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	परिघ
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	या-यतीन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	16:20:06	321:45:34	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			मेष	12:10:39	00:58:22	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	उच्च राशि
चंद्र			वृश्चि	22:16:36	13:21:16	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	नीच राशि
मंगल	व		सिंह	22:56:07	00:01:12	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
बुध	व	अ	मेष	10:55:33	00:40:37	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
गुरु			मक	25:05:38	00:07:42	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	नीच राशि
शुक्र		अ	मेष	18:16:56	01:14:03	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	सम राशि
शनि			मीन	19:40:14	00:07:09	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कन्या	04:18:51	00:06:04	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	04:18:51	00:06:04	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	14:44:06	00:00:51	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप			मक	06:07:46	00:00:11	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	11:10:11	00:01:23	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	07:08:08	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:08

लग्न-चलित

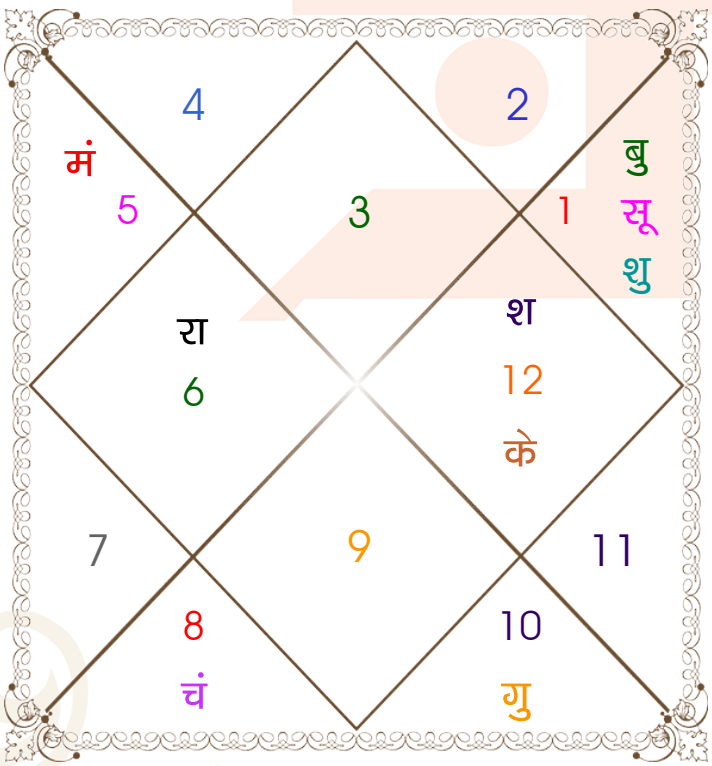

चन्द्र कुंडली

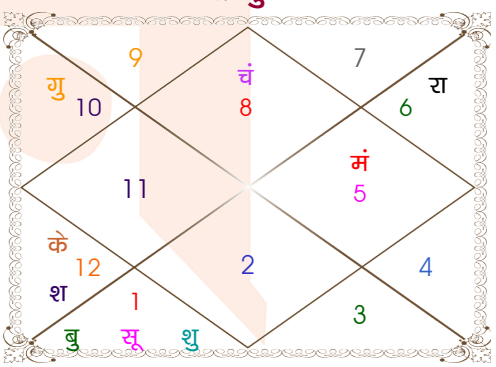

नवमांश कुंडली

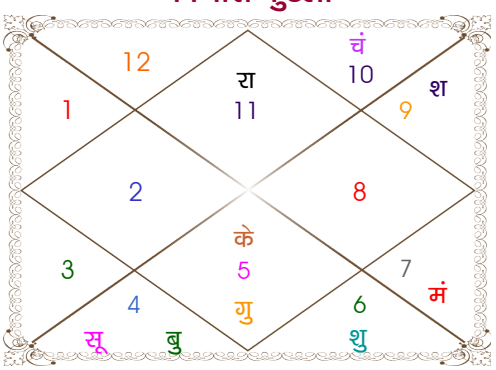

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 9 वर्ष 10 मास 5 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
26/04/1997		02/03/2007		01/03/2014		01/03/2034		01/03/2040	
02/03/2007		01/03/2014		01/03/2034		01/03/2040		01/03/2050	
	00/00/0000	केतु	29/07/2007	शुक्र	01/07/2017	सूर्य	19/06/2034	चंद्र	30/12/2040
	00/00/0000	शुक्र	27/09/2008	सूर्य	01/07/2018	चंद्र	19/12/2034	मंगल	31/07/2041
	00/00/0000	सूर्य	02/02/2009	चंद्र	01/03/2020	मंगल	25/04/2035	राहु	30/01/2043
	26/04/1997	चंद्र	03/09/2009	मंगल	01/05/2021	राहु	19/03/2036	गुरु	31/05/2044
चंद्र	31/08/1998	मंगल	30/01/2010	राहु	01/05/2024	गुरु	05/01/2037	शनि	30/12/2045
मंगल	28/08/1999	राहु	17/02/2011	गुरु	31/12/2026	शनि	18/12/2037	बुध	01/06/2047
राहु	17/03/2002	गुरु	24/01/2012	शनि	01/03/2030	बुध	25/10/2038	केतु	31/12/2047
गुरु	21/06/2004	शनि	04/03/2013	बुध	30/12/2032	केतु	02/03/2039	शुक्र	31/08/2049
शनि	02/03/2007	बुध	01/03/2014	केतु	01/03/2034	शुक्र	01/03/2040	सूर्य	01/03/2050

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
01/03/2050		01/03/2057		02/03/2075		02/03/2091		02/03/2110	
01/03/2057		02/03/2075		02/03/2091		02/03/2110		00/00/0000	
मंगल	29/07/2050	राहु	12/11/2059	गुरु	19/04/2077	शनि	04/03/2094	बुध	29/07/2112
राहु	16/08/2051	गुरु	07/04/2062	शनि	31/10/2079	बुध	12/11/2096	केतु	26/07/2113
गुरु	22/07/2052	शनि	11/02/2065	बुध	05/02/2082	केतु	21/12/2097	शुक्र	26/05/2116
शनि	31/08/2053	बुध	31/08/2067	केतु	12/01/2083	शुक्र	21/02/2101	सूर्य	02/04/2117
बुध	28/08/2054	केतु	18/09/2068	शुक्र	12/09/2085	सूर्य	03/02/2102	चंद्र	27/04/2117
केतु	24/01/2055	शुक्र	19/09/2071	सूर्य	01/07/2086	चंद्र	04/09/2103		00/00/0000
शुक्र	25/03/2056	सूर्य	12/08/2072	चंद्र	31/10/2087	मंगल	13/10/2104		00/00/0000
सूर्य	31/07/2056	चंद्र	11/02/2074	मंगल	06/10/2088	राहु	20/08/2107		00/00/0000
चंद्र	01/03/2057	मंगल	02/03/2075	राहु	02/03/2091	गुरु	02/03/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 9 वर्ष 9 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।